सत्यमेव जयते

गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकृत हुए 75 **वर्ष** पूरे हो रहे हैं और राजभाषा विभाग इस 75 वर्षीय यात्रा पर प्रकाश डालने हेतु हीरक जयंती स्मारिका का प्रकाशन भी कर रहा है।

हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही समावेशी रही है और इस भाषा ने स्वाधीनता संग्राम के मुश्किल दिनों में देश की प्रमुख भाषाओं के शब्दों और भंगिमाओं को आत्मसात कर मजबूत सम्पर्क भाषा की भूमिका निभाई थी। आजादी के बाद हिंदी की समावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए इसे राजभाषा का दर्जा दिया गया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश, मातृभाषाओं के संरक्षण, संवर्धन व राजभाषा के व्यापक उपयोग का स्वर्णिम कालखंड देख रहा है। मोदी जी ने एक तरफ जहाँ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मातृभाषा में संबोधन देकर भारतीय भाषाओं को गौरवान्वित किया है, वहीं सरकार के प्रयासों से विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हिंदी में काम-काज को बढ़ावा मिला है।

राजभाषा विभाग ने देश की मातृभाषाओं के विस्तार व विकास के लिए एकनिष्ठ भाव से कार्य किया है। चाहे सभी मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों और देश से लेकर विदेशों तक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन हो या भाषायी टेक्नोलॉजी का कर्मियों को प्रशिक्षण हो, राजभाषा विभाग ने राजभाषा व मातृभाषा के प्रति अपने उत्तरदायित्व का कुशलता से निर्वहन किया है। विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ 2.0'**, 14 **भाषाओं** में **'लीला राजभाषा'** व **'लीला प्रवाह'** शिक्षण पैकेज और **वृहत शब्दकोश-'हिंदी शब्द सिंधु'** का निर्माण भी किया है।

मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के कार्यों को और भी गति देने व मातृभाषाओं के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का यह **हीरक जयंती वर्ष** माध्यम बनेगा। मैं, इस अवसर पर विभाग के सभी कर्मियों को शुभकामना देते हुए स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(अमित शाह)

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221
ई-मेल : hm@nic.in